

भूम खुशियों में, गाओ मन्त्रो

आज का दिन सुनें हा है ॥३॥
गंगा, देवा का, पावन मिलन ॥२॥ प्यारा गंगा दशहरा है ॥३॥
भूम खुशियों में - - - - - गंगा, देवा का - - - - -

१) तरण तारणी है गंगा मैया, पार करती सभी की नैया ॥३॥
इनकी करुणा से सब मिलता, जगत कल्याण है मैया ॥३॥
जिनने दिल से पुकारा माँ को, तुमका किरमत्त का तारा है ॥३॥
गंगा, देवा का - - - - - तुमका किरमत्त सितारा है ॥३॥

२) पापीयों के पाप धोने से - गंगा श्यामल सी हो जाती ॥३॥
बोझ पापों का बहने से, दूबि धूमिल सी हो जाती ॥३॥
याद देवा की जब आई ॥२॥ फिर तो, दिल से पुकारा है ॥३॥
गंगा, देवा का - - - - - भूम खुशियों - - - - -

३) आज आकर के गंगा माँ - देवाजी में नहाती है ॥२॥
पापीयों से जो भी पाप मिटे, हंसके इनमें बहाती है ॥२॥
रूप सुन्दर सबोंना मिला ॥२॥ देवाजी ने जो निहरा है ॥२॥
गंगा, देवा का - - - - - भूम खुशियों - - - - -

४) रूप नूतन मिला गंगा को - देवा मैया की ममता से ॥२॥
दिलसा की अकौफिक दूबि, पाई देवा की क्षमता से ॥२॥
कहें "गोवर्धनी" सब सुनो, ऊँचा माँ का सहारा है ॥२॥
गंगा, देवा का - - - - - भूम खुशियों - - - - -